॥ भ. श्री नेमिनाथाय नमः ॥ ॥ भ. श्री गोमटेशाय नमः ॥

विसट्ठ कंदोट्ट दलाणुयारं । घोणाजियं चंपय पुप्प सोहं ।
सुलोयणं चंद समाणतुंडं । तं गोम्मटेशं पणमामि णिच्चं ॥

कार्कल भगवान श्री बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक महोत्सव - 2015

श्रीमुख पत्रिका

कर्नाटक राज्य के पावन-क्षेत्र कार्कल में भगवान श्री बाहुबली स्वामी का महामस्तकाभिषेक महोत्सव
भगवान श्री नेमिनाथ तीर्थंकर के पंचकल्याण महोत्सव-पूर्वक
परमपूज्य मुनिमहाराज जी, पूज्य भट्टारकजी एवं त्यागी-वृंद की दिव्य-उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है।
इसी संबंध में स्वस्ति श्रीमद्राय राजगुरु, भूमंडलाचार्यवर्य, महावाद वादीश्वरराय, वादिपितामह, सकल विद्वज्जन सार्वभौमाद्यनेक विरुदावली विराजमान
श्रीमन्निजघटिकस्थान पनसोगे - वंगनगर - कलस - कार्कल चतुःसिद्ध सिंहासनाधीश्वर कार्कल
श्री जैनमठ के परम पूज्य स्वस्ति श्री ललितकीर्ति भट्टारक पट्टाचार्यवर्य महास्वामीजी के
पावन सानिध्य, मार्गदर्शन, शुभाशीर्वाद-पूर्वक
श्री क्षेत्र धर्मस्थल के धर्माधिकारी पद्मभूषण, राजर्षि डॉ. डी. वीरेन्द्र हेग्गडेजी की अध्यक्षता में
स्वस्ति श्री महावीर निर्वाण शक 2541, श्री जय नाम संवत्सर के माघ शुद्ध 1, दिनांक 21-1-2015 बुधवार से माघ शुद्ध 12
दिनांक 31-1-2015 शनिवार-पर्यन्त आगमोक्त विधिविधान सहित अनेक कार्यक्रम संपन्न होने जा रहे हैं।

धार्मिक पूजा कार्यक्रम

दिनांक 21-1-2015 बुधवार माघशुद्ध प्रथम

प्रातः 8-15 से हिरियंगडि भ. श्री नेमिनाथ मंदिर में पूजन, उत्सवमूर्ति का श्रीविहार। प्रातः 10-45 से इंद्रप्रतिष्ठा, तोरणमुहूर्त, यज्ञशाला प्रवेश, विमानशुद्धि नांदिमंगल, वास्तुविधान, नवग्रह महाशांति, दिक्पालक पूजा मृत्तिका संग्रहण, अंकुरार्पण विधान। शाम 6-30 श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस, रात 7-40 से भगवान बाहुबली स्वामी का 108 कलशो से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता : केर्वाशे पडंगडि गुत्तु श्री नेमिराज पडिवाल, होबली गुरिकार स्व. शिर्ताडि धर्मसाम्राज्य की याद में, डॉ. एस. प्रभाचंद्र एवं पुत्र शिमुंजे गुत्तु शिर्ताडिं एवं स्व. श्रीदेवियम्म, स्व. इंदिरावति अम्मा जी की स्मृति में, श्रीमति शचिदेवी नागराजय्य और पुत्र भतीजे डी. सुधाकर तथा केर्वाशे पडंगडि गुत्तु कुटुंबस्थ।

दिनांक 22-1-2015 गुरुवार माघशुद्ध द्वितीया

प्रातः 8-10 से श्रीपीठ यंत्राराधना, यक्षाराधना पूर्वक सर्वाह्ण यक्ष के कलारोपणा, 12-35 को ध्वजारोहण, दोपहर 2-30 से ब्रह्मयक्ष आराधना पूर्वक कलारोपण, भेरीताडन, मंगलसूत्र बंधन, श्री बलिविधान। शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से अग्रोदक पूर्वक भगवान बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से मस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता :
स्व. श्यामला देवी तोडारु की स्मृति में, श्रीमती अन्वेषा एवं श्री पी. पी. हेग्डे, एडवोकेट, मंगलूर।

दिनांक 23-1-2015 शुक्रवार माघशुद्ध तृतीया

प्रातः 8-00 बजे से नित्यविधि सहित श्रीबलि विधान बृहत् शांति यंत्राराधना, श्री शीतलनाथ विधान, शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से मस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता : पडुविद्रि बीडु श्री चंदय्य अरस किन्यक्क बल्लाल, श्री रत्नाकर राज, पुत्र एवं किन्यक्क बल्लाल के वंशस्थ, एवं एर्मालु बीडु श्रीमति नागवेणी अम्म शांतिराज अरस, मारम्म हेग्डे जी के पुत्र, सहोदर एन. वज्रकुमार धारवाड।

दिनांक 24-1-2015 शनिवार माघशुद्ध पंचमी

प्रातः 8-15 बजे से नित्यविधि सहित ग्रह यज्ञ विधान, जलग्निहोम, श्रीबलि विधान, श्री भक्तामर यंत्राराधना विधान, शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भगवान श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से मस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता : नल्लूरु मूडुकोडि स्व. धर्मराज पूवणि, पत्नी स्व. कमलावती अम्मा एवं मूडायूरु गुत्तु स्व. भोजराज पडिवाल, पत्नी स्व. प्रभावति अम्मा जी की स्मृति में, श्री प्रसन्नकुमार धर्मपत्नी श्रीमती सुवर्णलता 'प्रसन्नलता' बेल्तंगडि।

दिनांक 25-1-2015 रविवार माघशुद्ध षष्ठी

प्रातः 8-00 बजे से नित्यविधि सहित श्रीबलि-विधान, वृहत यागमंडल यंत्र विधान। शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भ. श्री बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से मस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता :
श्रीमति रत्नावति अम्म, श्रीमती कविता जैन, श्री पुष्पराज जैन एवं बंधुलोग, 'अभीष', नंतूर, मंगलूर।

दिनांक 26-1-2015 सोमवार माघशुद्ध सप्तमी

प्रातः 8-00 बजे नित्यविधि सहित श्रीबलि विधान। शाम 6 बजे जलयात्रा-पूर्वक मातुराह्वानादि क्रियायुक्त गर्भावतरण कल्याण। शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भ. बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता : मरोडि अंगडिबेट्टु स्व. ब्रह्मय्य कावय, पत्नि मिजारु कनकबेट्टु स्व. कमलम्माजी, स्व. के. शांता की स्मृति में, श्री एम. के. रत्नाकर कार्कल एवं पुत्री श्रीमति सरला भतीजा उदयकुमार बल्लाल एवं पुत्रियों के द्वारा।

दिनांक 27-1-2015 मंगलवार माघशुद्ध अष्टमी

प्रातः 6-55 जिन जननोत्सव, अष्टदिक्षु धाम-संप्रोक्षण, श्रीबलि-विधान प्रातः 8-30 बजे से जिन-बालक का श्रीविहार, हिरियंगडि भ. नेमिनाथ मंदिर में स्थित पांडुक शिला पर जन्माभिषेक कल्याण। शाम 6-00 बजे नामकरण, बाललीला महोत्सव। शाम 6-30 बजे श्रीमठ से अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भ. बाहुबली स्वामी का 108 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता :
नावुरगुत्तु कुडाल मेर्कल स्व. गुम्मण्ण शेट्टि, धर्मपत्नी मिजारू कनकबेट्टु स्व. देजम्माजी की स्मृति में, एम. के. श्रीधर एवं बंधुलोग।

दिनांक 28-1-2015 बुधवार माघशुद्ध नवमी

प्रातः 8-00 बजे से नित्यविधि सहित श्रीबलि-विधान, गणधरवलय यंत्राराधना विधान, साम्राज्य वैभव, वैराग्यपूर्वक दीक्षाविधि, शाम को वैभवपूर्वक अग्रोदक जुलूस। रात 8-00 बजे से भ. बाहुबली स्वामी का 504 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता : स्व. एम. नेमिराज हेग्डे धर्मपत्नी स्व. कुसुमाजी अम्मा की स्मृति में, श्रीमति अरुणा, डा. एम. एन. राजेंद्रकुमार सुपुत्रों एवं कुटुंबस्थ, 'कुसुम' पुल्केरी, कार्कल

दिनांक 29-1-2015 गुरुवार माघ शुद्ध दशमी

प्रातः 8-00 बजे से नित्यविधि सहित गंधयंत्राराधना, मंत्रन्यास पूर्वक केवलज्ञान कल्याण। 12-06 बजे मेष लग्न में नयनोन्मीलन, अपराह्ण 3-00 बजे समवसरण पूजा श्रीविहार, शाम 6-30 बजे श्री मठ से अग्रोदक जुलूस, रात 8-00 बजे से भ. बाहुबली स्वामी का 504 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता :
श्री क्षेत्र धर्मस्थल के धर्माधिकारी राजर्षि डा. डी. वीरेंद्र हेग्गडेजी, श्रीमती हेमावतीजी एवं कुटुंबस्थ

दिनांक 30-1-2015 शुक्रवार माघशुद्ध एकादशी

प्रातः 9-00 बजे से नित्यविधि सहित अग्निन्नयार्चनापूर्वक निर्वाण कल्याण महोत्सव, लघुसिद्धचक्र यंत्राराधना, शाम 4-00 बजे श्री मठ से अग्रोदक जुलूस। शाम 4-30 बजे से भ. बाहुबली स्वामी का 1008 कलशों से महामस्तकाभिषेक महोत्सव।

सेवाकर्ता :
समस्त जैन समाज की ओर से भ. श्री बाहुबलीस्वामी महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति, कार्कल।

दिनांक 31-1-2015 शनिवार माघशुद्ध द्वादशी

प्रातः 9-00 बजे से नित्यविधि-सहित अवभृतस्नान, ध्वजावरोहण, तोरण-विसर्जन, भ. श्री नेमिनाथजी और सर्वाह्णयक्ष की उत्सवमूर्ति का हिरियंगडि को श्री-विहार।

सेवाकर्ता : परमपूज्य राजगुरु ध्यानयोगी स्वस्तिश्री ललितकीर्ति भट्टारक पट्टाचार्यवर्य महास्वामीजी, श्री जैन मठ, कार्कल।

महामस्तकाभिषेक के उपलक्ष्य में दिनांक 24-12-2014 से 19-1-2015 तक कार्कल के सभी मंदिरों में आराधना विधि विधान संपन्न होनेवाले हैं।
इस प्रकार अनेक धार्मिक विधि-विधान संपन्न होनेवाले हैं। अतः आप सब धर्मबन्धु-सज्जन लोग इस महोत्सव में भाग लेकर पुण्य संपादन करें।

इति भद्रं भूयात्, वर्धतां जिनशासनम्, शुभाशीर्वाद पूर्वक - परमपूज्य स्वस्तिश्री ललितकीर्ति भट्टारक स्वामीजी, श्री जैन मठ, कार्कल।

एम. के. विजयकुमार	डा. के. जीवंधर वल्लाल	डा. एम. एन. राजेंद्रकुमार	डा. डी. वीरेन्द्र हेग्गडेजी
प्रधान कार्यदर्शी	कोषाधिकारी	कार्याध्यक्ष	अध्यक्ष

पदाधिकारी एवं सर्वसदस्य महामस्तकाभिषेक समिति कार्कल

वि. सू. प्रतिदिन मुनिमहाराजजी, भट्टारकजी एवं विद्वानों से प्रवचन, विधिविधान, सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। भोजन-आवास की व्यवस्था है। कलश लेकर अभिषेक करनेवालों के लिए मौका दिया जायेगा।